कविता - चलो हम हिंदी दिवस मनाएँ

चौदह सितम्बर का यह दिन
हिंदी के सौभाग्य का दिन
बनी आज यह राजभाषा
ले नव विचारों की अभिलाषा
भारत माता की यह बिंदी
जन - जन की भाषा यह हिंदी
इस बिंदी को आज सजाएँ
चलो हम हिंदी दिवस मनाएँ

खेल - खेल में सीखें भाषा
मजेदार है हिंदी भाषा
शुद्ध उच्चारण व शुद्ध लेखन
वर्णमाला और कविता वाचन
अक्षर, शब्द, वाक्य, अनुच्छेद
संज्ञा, सर्वनाम और वर्ण - विच्छेद
चलो हम अपना ज्ञान बढ़ाएं
चलो हम हिंदी दिवस मनाएँ

शुद्ध वर्तनी, मानक भाषा
सहज भाव और सुंदर भाषा
भारत को जोड़े यह भाषा
अभिव्यक्ति की माध्यम भाषा
एकता की मिसाल यह भाषा
चलो भारत को मजबूत बनाएँ
पुरातन - नूतन में संगम लाएँ
चलो हम हिंदी दिवस मनाएँ

हिंदी की किसी से होड़ नहीं है

संपर्क भाषा यह बेजोड़ रही है
हर भाषा को समाहित करके,
विकसित होती जाती है
पुष्पित और पल्लवित होकर
सबको अपना बनाती है
चलो भाषा के प्रति हम प्रेम दिखाएँ
चलो हम हिंदी दिवस मनाएँ

खुले मन से यह सबको स्वीकारे
जैसे गंगा में मिले नदियों की धारें
सबको अपना प्रेम बाँटकर
दिल की बात जुबाँ पर लाकर
संप्रेषण की क्षमता देकर
गाँव, गरीब सभी को लेकर
हिंदी को समृद्ध बनाएँ
चलो हम हिंदी दिवस मनाएँ

इंटरनेट की भाषा बने हिंदी
टेक्नोलॉजी की भाषा हो हिंदी
ज्ञान - विज्ञान की भाषा बने हिंदी
नव - प्रयोगों की भाषा हो हिंदी
इस भाषा का कुम्भ लगाकर
सुप्त चेतना आज जगाकर
विश्व - पटल पर इसको लाएँ
चलो हम हिंदी दिवस मनाएँ

बेमिसाल साहित्य को लेकर
ज्ञान, भक्ति और रीति को लेकर
नव विचारों की शक्ति लेकर
अनुपम राष्ट्रभक्ति लेकर

इस मिट्टी की खुशबू लेकर
अपनी संस्कृति हम आज अपनाएँ
चलो हम हिंदी दिवस मनाएँ

सभी औपचारिकताओं को आज भुलाएँ
हिंदी को सम्मान दिलाएँ
नूतन प्रयोग हम करके दिखाएँ
अखिल भारतीय भाषा बनाएँ
हिंदी की हम अलख जगाएँ
चलो इसकी गरिमा बढ़ाएं
इस विरासत को आज बचाएँ
नयी पीढ़ी तक इसे पहुँचायें
हिन्दुस्तान का गौरव बढ़ाएं
चलो हम हिंदी दिवस मनाएँ।
चलो हम हिंदी दिवस मनाएँ॥

- चन्दन सिंह "चाँद "

Last modified: 4 Aug 2018